भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रांची, झारखण्ड के अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी और जैव विविधता विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रांची के अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी और जैव विविधता से संबंधित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 12.03.2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (भा.वा.अ.शि.प.), देहरादून में शुरू हुआ। सीसीएल कोल इण्डिया लिमिटेड, कोयला मन्त्रालय, भारत सरकार की सहायक कंपनी है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भा.वा.अ. शि.प. द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन डा0 सुधीर कुमार, उपमहानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. द्वारा किया गया। उक्त मौके पर श्री विनय कुमार, भा.व.से., उपमहानिदेशक (प्रशा.) व निदेशक (अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग), भा.वा.अ.शि.प., सहायक महानिदेशक गण, वैज्ञानिक व अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

डा0 सुधीर कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में वैज्ञानिक पद्धतियों का अनुशरण करते हुए कोयला खदान भूमि के पुनर्स्थापन के साथ सम्यक व संवहनीय पर्यावरण प्रबंधन पर जोर देने की बात कही। श्री विनय कुमार ने वानिकी से संबंधित पारिस्थितिकी और जैव विविधता के महत्व तथा खनन भूमि पुनर्स्थापन में वन व उससे जुड़े हुए विभिन्न वानस्पतिक एवं जन्तुओं के महत्व तथा उनके उचित रख–रखाव की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डा0 ए0 एन0 सिंह, सहायक महानिदेशक (प.प्र.), भा.वा.अ.शि.प. व कोर्स कोआर्डिनेटर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा व प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर दिये जाने वाले व्याख्यान के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। सत्र के अन्त में डा0 विशवजीत कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

दिनांक 12 मार्च, 2024 से 16 मार्च, 2024 तक के पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा पारिस्थितिकी और जैव विविधता, कोयला खनित क्षेत्रों के लिए नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीक, जैव विविधता मूल्यांकन में RS-GIS उपकरणों के अनुप्रयोग, कोयला खनन वाले क्षेत्रों की पारिस्थितिकी बहाली जैसे विभिन्न विषयों पर व्याख्यान होंगे। साथ ही भारत में पर्यावरण मंजूरी और वन मंजूरी प्रक्रिया, खनन क्षेत्रों के पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन, कार्बन कैप्चर और कार्बन बाजार व भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम संबंधित विषयों पर भी व्याख्यान दिये जाऐंगे। तकनीकी सत्रों के अलावा, प्रशिक्षु अधिकारियों का खनन के पुनर्वास स्थलों, जल व मृदा संरक्षण संबंधित उपचारित स्थलों, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के संग्रहालय, बॉटनिकल गार्डन, सैन्ट्रल नर्सरी आदि से संबंधित प्रयोगशाला, कार्यालय व अन्य क्षेत्रों का प्रदर्शन दौरा भी शामिल है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION
LiFE
Training Programme
Ecology and Biodiversity